Total No. of Printed Pages — 4

28002

CCSME17

PAPER / पत्र – II

KHORTHA LANGUAGE AND LITERATURE

खोरठा भाषा एवं साहित्य

SUBJECT CODE / विषय कोड : 09

Full Marks : 150 **Time : 3 Hou**

पूर्णांक : 150 **समय : 3 घ**

निर्देश :

(i) प्रश्न-पत्र **दो** भाग में विभक्त है। **भाग** 'अ' में कुल **4** प्रश्न (प्रश्न संख्या 1 से 4) एवं भाग 'ब' में कुल **4** प्रश्न (प्रश्न संख्या **5** से **8**) है।

(ii) प्रश्न संख्या **1** एवं प्रश्न संख्या **5** सभी परीक्षार्थियों के लिए अनिवार्य है।

(iii) परीक्षार्थियों को कुल **6** प्रश्नों का उत्तर लिखना है, जिसमें दोनों भाग 'अ' एवं 'ब' से अनिवार्य प्रश्न संख्या के अतिरिक्त प्रत्येक खण्ड में से कम 01 (एक प्रश्न) का उत्तर देना अनिवार्य होगा एवं कुल **चार** प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

(iv) अनिवार्य प्रश्न संख्या **01** एवं **05** में सात प्रश्नों में से पाँच प्रश्नों के उत्तर देना होगा जिसका प्रति प्रश्न **07** अंक निर्धारित है।

(v) प्रश्न संख्या **01** एवं **05** के अतिरिक्त शेष प्रश्नों का अंक प्रति प्रश्न है।

(vi) उत्तर अपनी मातृभाषा "खोरठा" में ही लिखें।

निर्देश :

'खोरठा भाषा" कुल छव **(06)** गो सवालोक जबाब लिखेक हय। सवाल संख्या (01) (एक) आर (05) पाँ जुनजुनार (अनिवार्य) हइ। एकर अलावे दुइयो खँधा (ग्रुप) से कम से कम एक-एक सवालेक उत्तर दे के चा (04) सवालोक उत्तर दाय।

उत्तर खोरठें दाय (लिखा)।

Scanned with OKEN Scanner

Marks
अंक

भाग 'अ'

खाँधा–अ

1. हेठें उखरवल सात सवाल में **पाँच** सवालेक उत्तर लिखा- 7×5=35

(क) खोरठा भासाक नामकरनेक लेताइरें डॉ० ए० के० झा जीक बिचार के उखरावा।

(ख) खोरठाञ् बचन माने कि हेवे हे? एकबचन से बहुवचन बनवेक नियम के पटतइर देके उखरावा।

(ग) खोरठाञ् पुलिंग से इसतिरिलिंग बनवेक नियम के पटतइर देके उखरावा।

(घ) बिसेसन के माने बता के ओकर भेद उखरावा।

(ङ) संइगा के माने बता के ओकर भेद के पटतइर दाय।

(च) हेठेंक अधपुरवा पटतइर (लोकोक्ति) के पुरा करा

(1) अघाइल बोंकली _____।

(2) काम पियारा कि_____।

(3) माछी खोजे घाव आर _____।

(4) जाइतो जाय आर _____।

(5) भुख रहलें छूछ की _____।

(6) अरण्डी बोने बिलाइर _____।

(7) माय देखे पोटा आर_____।

(छ) हेठेंक खोरठाक आहना (मुहाबरा) के परजोग से बाइक (वाक्य) बनावा जेकर से ओकर अरथ फुरछा(स्पष्ट) जाय –

(1) टान हेवेक

(2) टाना-टानी हेवेक

(3) हरदी बोलवेक

(4) डोंका फारेक

(5) अंइगना कादो करेक

(6) ठेपो देखवेक

(7) दाँत पजवेक

Scanned with OKEN Scanner

Marks
अंक

2. (क) खोरठाक छेतरीय रूप के लिख के परनदिया खोरठाक बिसेसता बतावा। 10

(ख) 'लोकगीत लोक संसकिरति के वाहक हे' खोरठा लोकगीतेक लेताइरें फरीच करा। 10

3. (क) खोरठा सरबनाम के धनी भासा हे, कइसे? उत्तर दाय। 10

(ख) खोरठा पइद साहितेक बिकास राजा घरें सुरू भेल रहे, ओकर 'क्रमिक' बिकास के बारे बतावा। 10

4. (क) खोरठा साहित के बिकास में डॉ० ए० के० झा जीक जोगदान के बखान करा। 10

(ख) खोरठाक जीवनी साहित के लेताइरें श्री निवास पानुरी के जीवन आर साहित पर बिदवान गुलाक बिचार उखरावा। 10

भाग 'ब'
खाँधा– ब

5. हेठें उखरवल सात सवाल में **पाँच** सवालेक उत्तर दाय- 7×5=35

(क) मुहाबरा आर लोकोक्ति में अन्तर फरीच करा।

(ख) उपसरग आर परतिअइ के माने बता के खोरठें चाइर चाइर गो पटतइर (उदाहरण) दाय।

(ग) खोरठा भाषा के सदानी परिवार के अइन भासागुला से नाता-गोता (सम्बन्ध) फरीच करा।

(घ) खोरठा सबद संपइत पर एक गढ़िया नोट लिखा।

(ङ) विश्वनाथ दसौंधी 'राज' जी के खोरठा साहितें जोगदान के खाँटे-खुटें बखान करा।

(च) खोरठा साहितें हिन्दी भासा साहितेक परभाव के बखान करा।

(छ) खोरठा लोकगीतेक लेताइरें बिदाई गीत पत्थर हिरदइ के पिघलावेक खेमता राखे हे। दुगो गीत लिख के भाव फरीछ करा।

6. हेठें दियल कोनो दू बिसइ पर छोट-खाँट निबंध लिखा : 10×2=20

(क) करमा परब

(ख) गोरु डांगरेक अराधना के परब सोहराई

(ग) स्वच्छ भारत अभियान

(घ) बेटी बचाव बेटी पढ़ाव

Scanned with OKEN Scanner

Marks
अंक

7. (क) हेठें दियल गइदेक उचित सिरसक देके खाँट-खुँट (संक्षेपण) करा : 10

हामिन के संसकिरितिक झलक हामिन के परब-तिहारें, हामिन के नेग-चारें, हामिन के रीझ रंग टांय, हामिन के गीतें-नादें, हामिन के चाइल-चलने, हामिन के उठन-बइठने, हामिन के बातें-चितें, हामिन के पींधना ओढ़नांय, हामिन के काम करेक ढर्रांय, हामिन के नियम-कानूनें, हामिन के बेबहारें, मनेक पइत कामें देखा हे।

(ख) खोरठें उल्था (अनुवाद) करा : 10

इस क्षेत्र का नाम झारखण्ड पड़ा है। धरती का वह टूकड़ा जहाँ जंगल-झाड़ मुख्य रूप में पाया जाता है। झारखण्ड नाम कोई नया नहीं है बल्कि इसका वर्णन बौद्ध साहित्य, वेद-पुराणों में मिलता है।

8. (क) हेठें दियल गेल अनुच्छेद (अवतरण) के पइढ़ के खोरठाञ् तीनों सवालेक जबाब दाय : 10

दुनियाञ् अमर वइसन लोक हेवे हथ, जे लोक आपन पेछु कोन्हों 'आदर्श' छोइड़ राख-हथ जकर गोड़ावल दाम (स्थाई मूल्य) हेवे हे। प्राइ-प्राइ अइसन देखल गेल हे, जे अइसन-लोक बड़ी सदनें (मुश्किल) से तलिआइल घरें जनम ले हथ। मानुखें कसटसाहा, मरजीमारा (निःस्वार्थ), हियाखलास, हुबगर आरो-आरो गुन गिलाक बिकासें आयां दरकार हे, केतनहुँ आफइत-बिपइत भेलहुँ आपन धीरज नाञ्, छोड़ेक, सादा-मीठा जिनगीक ऊँच-विचार से गढ़िया नाता-गोता रहे हे।

सवाल :

(1) कोन किसिमेक कामे लोक अमर भइ जा हथ?

(2) घमंड छाड़ा मानुसेक कोन-कोन गुण हेवे हे?

(3) सादा जिनगी खातिर कि हेवेक चाही?

(ख) खोरठाक आधुनिक साहितकार में से कोनो एक के साहितिक परिचय दाय। 10

★★★

SEAL
Scanned with OKEN Scanner